No. of Printed Pages : 2

ई.एच.डी.-4

01782

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-4 : मध्यकालीन भारतीय साहित्य : समाज और संस्कृति

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं।* ***सभी*** *प्रश्नों के* ***अंक समान*** *हैं।*

1. सामाजिक और धार्मिक कुप्रथाओं के विरोध की अभिव्यक्ति के रूप में भक्ति-साहित्य आंदोलन का परिचय दीजिए। 20

अथवा

भक्ति साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए सगुण और निर्गुण का अंतर बताइए।

2. हिन्दी की सूफ़ी काव्य-परंपरा की विशेषताएँ बताकर प्रमुख सूफ़ी कवियों का परिचय दीजिए। 20

अथवा

मीराबाई के काव्य में अभिव्यक्त विद्रोही चेतना का विवेचन कीजिए।

3. तेलुगु भक्ति-काव्य का सामान्य परिचय देते हुए 'वेमना' के काव्य का महत्त्व बताइए। 20

अथवा

तमिल भक्ति-काव्य का महत्त्व बताते हुए उसकी प्रमुख काव्य प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

4. मराठी भक्ति साहित्य के प्रमुख संत कवियों का परिचय देते हुए उनके काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक पक्ष पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

तुलसीदास के जीवन और उनकी रचनाओं का सामान्य परिचय दीजिए।

5. कबीर काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना की समीक्षा कीजिए। 20

अथवा

निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर टिप्पणी लिखिए :

(a) अखोभगत

(b) बसवेश्वर

(c) रसखान

(d) रैदास